सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
● वर्ष: 7 ● अंक: 273 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 10 नवम्बर, 2021

उपयुक्त समय आने पर वृक्ष में फल लगता है। झड़ने का समय आने पर वह झड़ जाता है। सदा किसी की अवस्था एक जैसी नहीं रहती इसलिए दु:ख के समय पछताना व्यर्थ है।
–रहीम दास

छठ महापर्व की तैयारियां... 7 | छोटे दलों को साथ लेकर पूर्वांचल... 3 | यूपी में हिंदुत्व और कानून व्यवस्था... 2

अब कासगंज में पुलिस हिरासत में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

विपक्ष ने सरकार को घेरा

» पुलिस का दावा युवक ने लगाई फांसी, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

» विपक्ष ने हिरासत में मौत के लिए प्रदेश सरकार को बताया जिम्मेदार

» कहा, सरकार की शह पर पुलिस कर रही तानाशाही केंद्र व मानवाधिकार आयोग ले संज्ञान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

लखनऊ। आगरा के बाद अब कासगंज में पुलिस हिरासत में लिए गए एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी है। परिजनों ने पुलिस पर हत्या का आरोप लगाया है जबकि पुलिस का दावा है कि आरोपी युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। वहीं इस मामले पर विपक्ष ने प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधा है। विपक्ष ने कहा कि प्रदेश में हिरासत में मौतों का सिलसिला जारी है और सरकार की शह पर पुलिस तानाशाही कर रही है। साथ ही उसने मानवाधिकार आयोग से इस मामले को संज्ञान में लेने की मांग की है।

कासगंज की सदर कोतवाली पुलिस ने लड़की भगाने के आरोप में एक युवक को पूछताछ के लिए सोमवार को हिरासत में लिया था। वह कोतवाली की हवालात में बंद था। मंगलवार को युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। मृत युवक की शिनाख्त सदर कोतवाली क्षेत्र के नगला सय्यैद अहरोली निवासी अल्लाफ पुत्र चांद मियां के रूप में हुई है। अल्ताफ के पिता का कहना है कि उन्होंने सोमवार की शाम खुद अपने बच्चे को पुलिस को सौंपा था और 24 घंटे बाद पता चला कि मेरे बच्चे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है, मुझे लगता है कि पुलिस वालों ने ही फांसी लगाकर हत्या कर दी है। वहीं पुलिस का दावा है कि युवक ने बाथरूम में जाकर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मामले के बाद इंस्पेक्टर सहित पांच पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है लेकिन पुलिस की थ्योरी पर सवाल उठने लगे हैं क्योंकि जिस पाइप से फांसी लगाने की बात की जा रही है, उसकी ऊंचाई महज दो फीट है। ऐसे में सवाल उठता है कि कोई दो फीट ऊंची पाइप पर लटककर कैसे फांसी लगा सकता है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरना शुरू कर दिया है।

" सबसे अधिक हिरासत में मौतें यूपी में हुई हैं। इसके लिए सीधे तौर पर मुख्यमंत्री की नीतियां जिम्मेदार हैं। पुलिस निर्दोषों की जान ले रही है और बाद में फर्जी जांच कर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है। सरकार की शह पर ही पुलिस तानाशाही रवैया अपना रही है।

आईपी सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता, सपा

" पुलिस हिरासत में युवक की मौत सरकार और पुलिस प्रशासन की तानाशाही रवैए का परिणाम है। इसके पहले भी हिरासत में मौत की घटनाएं घटती रही है लेकिन सरकार हमेशा आरोपियों को बचाने की कोशिश करती नजर आती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि पुलिस अभिरक्षा में कोई आत्महत्या कैसे कर सकता है। सरकार को इसका जवाब देना होगा।

नीलम यादव, प्रदेश अध्यक्ष, महिला विंग, आप

" कोई भी व्यक्ति दो फुट ऊंची पाइप के जरिए आत्महत्या कैसे कर सकता है? यह सब पुलिस का पैंतरा है। अब पुलिस प्रशासन और योगी सरकार आरोपियों को बचाने में जुट गयी है। वैसे भी हिरासत में मौतों के मामले में योगी राज में यूपी नंबर वन पर है। केंद्र सरकार और मानवाधिकार आयोग को मामले को संज्ञान में लेकर प्रदेश सरकार के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

सुरेंद्र राजपूत, प्रवक्ता, कांग्रेस

" प्रदेश में हिरासत में मौतों का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। मृत युवक के परिजनों के आरोप गंभीर हैं। इसकी उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के खिलाफ सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव, रालोद

क्या कहना है एसपी का

एसपी रोहन प्रमोद बोत्रे का कहना है कि जब पुलिस पूछताछ कर रही थी तभी उसने पुलिसकर्मी से बाथरूम जाने की बात कही। पुलिसकर्मी ने उसे हवालात के अंदर बने बाथरूम में भेज दिया। कुछ देर तक बाहर न आने पर कर्मचारी द्वारा जाकर देखा गया तो उसने जैकेट के हुड (टोपे) में लगी डोरी को पाइप में बांधकर अपना गला कस लिया था। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां पर कुछ देर उपचार होने के बाद उसकी मृत्यु हो गयी। जांच के दौरान प्रथम दृष्टया लापरवाही बरतने के आरोप में पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

पिछले महीने आगरा में पुलिस हिरासत में हुई थी दलित युवक की मौत

पिछले महीने आगरा के थाना जगदीशपुरा के मालखाने से 25 लाख रुपये की चोरी के मामले में हिरासत में लिए गए युवक अरुण वाल्मीकि की मौत हो गई थी। युवक की मां कमला देवी ने पुलिस पिटाई से मौत होने का आरोप लगाया था। तब भी विपक्षी दलों ने इस मामले पर सवाल उठाए थे और सरकार की किरकिरी हुई थी।

कुंडली बॉर्डर पर फंदे से लटकता मिला आंदोलनकारी किसान का शव

» भाकियू व संयुक्त किसान मोर्चा का था सदस्य, जांच में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनीपत। कुंडली बॉर्डर पर सुशांत सिटी के पास आज एक आंदोलनकारी किसान का शव नीम के पेड़ पर फंदे पर लटका मिला है। मृत किसान भारतीय किसान यूनियन एवं संयुक्त किसान मोर्चा के प्रमुख नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल के संगठन का सदस्य था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गुरप्रीत सिंह पुत्र गुरमेल सिंह (45) निवासी गांव रुड़की, जिला फतेहगढ़ साहिब, पंजाब यहां किसान आंदोलन में शामिल था। वह अंसल सुशांत सिटी के पास ट्रॉली में अकेला ही रहता था। आज सुबह उसे पास के ही नीम के पेड़ पर रस्सी से लटका हुआ पाया गया।

साथी किसानों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत के नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। कुंडली पुलिस मामले की जांच कर रही है। किसान की मौत से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है। गौरतलब है कि लंबे समय से किसान संगठन कृषि कानूनों की वापसी को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। मृतक भी इस आंदोलन में शामिल था।

कानपुर में दौड़ी मेट्रो, जल्द सफर का लुत्फ उठा सकेंगे शहरवासी

सीएम योगी ने किया ट्रायल रन का शुभारंभ, मेट्रो में किया सफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज कानपुर मेट्रो के ट्रायल रन का शुभारंभ बटन दबाकर किया। इस मौके पर उन्होंने निर्धारित समय से पहले आज ट्रायल रन शुरू होने पर प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी और कहा कि अगले चार-छह हफ्तों में यह सेवा नियमित रूप से शुरू हो जाएगी। इसके पहले सीएम योगी ने प्रदेश सरकार के मंत्री सतीश महाना और जयप्रताप सिंह के साथ मेट्रो में सफर भी किया।

सीएम ने कहा कि कानपुर अब मेट्रो सिटी बन गया है। उनकी सरकार ने 2019 में इस योजना की शुरुआत की थी।

आज निर्धारित समय के पहले ट्रायल रन शुरू हो गया है। ट्रायल रन के बाद अगले एक से डेढ़ महीने में पीएम मोदी के हाथों कानपुरवासियों को इस सेवा की सौगात मिलेगी। अगले चार-छह हफ्तों में ट्रायल रन और अन्य औपचारिकताओं को पूरा कर लिया जाएगा। सीएम ने कहा कि कोरोना काल में मेट्रो के काम की शुरुआत और उसे पूरा करना बहुत बड़ी उपलब्धि है। सीएम ने बताया कि कानपुर में मेट्रो सेवा शुरू होने के बाद यूपी पहला राज्य होगा जिसमें 5 शहरों में मेट्रो सेवा होगी। कानपुर अगले एक से डेढ़ महीने के अंदर इस सुविधा से जुड़ जाएगा।

यूपी में हिंदुत्व और कानून व्यवस्था होगा मुख्य मुद्दा

» योगी आदित्यनाथ रहेंगे पार्टी का चेहरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की पिछले दिनों दिल्ली में हुई राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक से निकले निहितार्थ उत्तर प्रदेश के लिए काफी अहम नजर आ रहे हैं। संकेतों में ही सही, लेकिन भाजपा हाईकमान ने कुछ महीनों बाद होने वाले विधानसभा चुनाव की तस्वीर को लेकर बहुत कुछ साफ करने की कोशिश की है। नेतृत्व से लेकर नीति और निर्णयों तक पर पार्टी का नजरिया लोगों के सामने रख दिया है। बता दिया है कि विधानसभा चुनाव में भाजपा हिंदुत्व, कानून-व्यवस्था और योगी आदित्यनाथ के चेहरे के साथ ही वह मैदान में उतरेगी।

भाजपा हाईकमान ने राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में सीएम योगी को बुलाकर तथा प्रदेश से राष्ट्रीय कार्यसमिति के शेष सदस्यों को वर्चुअली जोड़कर तथा योगी से राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत कराकर इसी प्रतीकात्मक रणनीति पर काम किया है। किसी भी राष्ट्रीय राजनीतिक दल का राजनीतिक प्रस्ताव वह दस्तावेज होता है जो उस

पार्टी की रीति नीति को ध्वनित करता है। इसको देखते हुए जिस तरह योगी को दिल्ली बुलाकर भाजपा ने अपनी शीर्ष बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव रखवाया उसके निहितार्थ महत्वपूर्ण हैं। भाजपा हाईकमान ने इस बहाने यह बताने की कोशिश की है कि पार्टी योगी की राजनीतिक दिशा व दृष्टि के साथ पूरी तरह खड़ी है। मतलब, यूपी चुनाव में हिंदुत्व और मुख्तार अंसारी से लेकर अतीक अहमद जैसे आपराधिक छवि वालों के साथ प्रदेश सरकार के रवैये एवं मुकीम काला व विकास दुबे के एनकाउंटर जैसे कामों से कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर किए गए उनके फैसले पूरी तरह ठीक हैं। निहितार्थ साफ है कि योगी की नेतृत्व क्षमता पर दिल्ली का भरोसा बढ़ा है। इसलिए चुनाव में भाजपा उनके काम और चेहरे के साथ ही मैदान में उतरेगी।

ये भी हैं कारण

दरअसल भाजपा के हिंदुत्व के एजेंडे पर कोई संदेश यूपी से ही निकलता है। श्रीराम जन्मभूमि, श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ की धरती होने के साथ हिंदू समाज की आस्था से जुड़े अन्य तमाम प्रमुख स्थल और नदियां भी यहीं हैं। सिर्फ हिंदू आस्था ही नहीं बल्कि जैन पंथ के प्रवर्तक ऋषभ देव, बुद्ध और कबीर की धरती भी उत्तर प्रदेश ही है। हाईकमान का योगी के नेतृत्व पर भरोसा बढ़ना स्वाभाविक है। जाहिर है कि योगी से सिर्फ उत्तर प्रदेश के नहीं बल्कि दूसरे राज्यों के समीकरण साधने में भी भाजपा को मदद मिलेगी

यूपी में तेजी से घूम रहा है विकास का पहिया : स्वतंत्र देव

» चुनाव में 300 से अधिक सीटें जीतेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में 2022 में होने वाले आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उत्साह से लवरेज है। प्रयागराज आगमन पर सर्किट हाउस में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने दावा किया कि हम 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव में 300 से अधिक सीटें जीतने जा रहे हैं। स्वतंत्र देव बोले कि भाजपा की वर्तमान प्रदेश सरकार ने कानून व्यवस्था पर बहुत काम किया है। उसकी वजह से यहां अपराधी और माफिया राज समाप्त हो चुका है।

यही वजह है कि यूपी में विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में देश में कई समस्याएं पैदा हुई। देश में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही बीजेपी सरकार ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाकर उन समस्याओं को हल करने का काम किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने योगी सरकार के कामकाज की तारीफ की। कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज है। जहां पर कानून होता है वहां पर शांति रहती है। जहां पर शांति रहती है वहां पर विकास भी होता है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरा। कहा, भाजपा केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं और विकास के नाम पर जनता के बीच वोट मांग रही है। दावा किया कि जिस तरह का उत्साह और समर्थन जनता का मिल रहा है उससे एक बार फिर से प्रदेश में भाजपा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी।

यूपी कांग्रेस परीक्षा के जरिए बनाएगी जिला प्रवक्ता व मीडिया कोआर्डिनेटर

» लखनऊ मंडल की परीक्षा के लिए तारीखें घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश कांग्रेस अब बनें यूपी की आवाज अभियान के तहत जिला स्तर पर प्रवक्ता व मीडिया कोआर्डिनेटर चुनेगी। इन पदों पर नियुक्ति के लिए कांग्रेस लिखित परीक्षा भी लेगी। परीक्षा के लिए लखनऊ मंडल की तारीखों की घोषणा कर दी गई है। दूसरे मंडलों की तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा।

कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन व पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि इस अभियान के संयोजक प्रदेश प्रवक्ता डॉ. उमाशंकर पाण्डेय बनाये गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका

गांधी वाड्रा बराबर अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर रही हैं। उनके तेवर को देख प्रदेश के युवा कांग्रेस से जुड़ना चाहते हैं। बनें यूपी की आवाज अभियान के जरिए अनुभवी कांग्रेसजनों के साथ-साथ युवाओं को प्रवक्ता और मीडिया कोआर्डिनेटर की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। योग्यता, क्षमता एवं जनसंपर्क उनके चयन का आधार होगा। इसके लिए जिला स्तर पर लिखित व मौखिक परीक्षा ली जाएगी। लखनऊ मंडल से इसकी शुरुआत की जाएगी। 15 नवंबर को उन्नाव में पहली परीक्षा व साक्षात्कार होगा। 16 नवंबर को लखनऊ, 17 को सीतापुर, 18 को हरदोई, 20 को रायबरेली और 21 नवंबर को लखीमपुर खीरी में परीक्षा होगी।

प्रियंका गांधी के लिए पूरी नहीं हो सकी कार्यालय की तलाश

लखनऊ। प्रयागराज में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के कार्यालय के लिए भवन की तलाश चार महीने में भी पूरी नहीं हो सकी है। जबकि चुनाव नजदीक आता जा रहा है। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के मुताबिक विधान सभा चुनाव के मद्देनजर महासचिव प्रियंका गांधी के लिए कार्यालय खोलने का निर्णय चार महीने पहले ही लिया गया था। महासचिव ने इसके लिए यहां के कई नेताओं को कार्यालय के लिए भवन की तलाश करने का निर्देश दिया था। कार्यालय के लिए मकान काफी बड़ा होना चाहिए। जहां सुरक्षा में लगे जवानों के रहने का भी इंतजाम हो सके। प्रियंका गांधी के स्वराज भवन में रुकने की बात भी कही जा रही है। जबकि राजनीतिक मूवमेंट का सारा काम उनके कार्यालय से संचालित होना है। वहां प्रियंका के कार्यालय से जुड़े जिम्मेदार पदाधिकारियों की टीम भी तैनात रहेगी।

मधुमिता शुक्ला की बड़ी बहन निधि शुक्ला लड़ेंगी यूपी चुनाव

» कांग्रेस से मांगा टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सियासत में भूचाल लाने वाले बहुचर्चित कवियत्री मधुमिता शुक्ला की बड़ी बहन निधि शुक्ला उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के रण में उतरने की तैयारी कर रही हैं। मधुमिता हत्याकांड के बाद बहन को न्याय दिलाने के लिए संघर्षरत रहीं निधि ने कांग्रेस पार्टी से लखीमपुर खीरी की मोहम्मदी सीट से टिकट के लिए आवेदन किया है।

कांग्रेस यदि उनके आवेदन पर मुहर लगाती है तो मूलरूप से खीरी की निवासी निधि शुक्ला अपने जिले से ही चुनाव लड़ेंगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2003 में लखनऊ की पेपर मिल कालोनी में युवा कवियित्री मधुमिता शुक्ला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मधुमिता शुक्ला मूलरूप से लखीमपुर खीरी की रहने वाली थीं। इस जघन्य कांड में बाहुबली नेता व तत्कालीन बसपा सरकार में मंत्री रहे अमरमणि त्रिपाठी व उनकी पत्नी मधुमणि का नाम आया था। इस बहुचर्चित हत्याकांड की सीबीआई जांच हुई थी और सीबीआई ने अमरमणि त्रिपाठी व उनकी पत्नी को गिरफ्तार किया था। हत्याकांड के चार साल बाद 2007 में देहरादून सत्र एवं जिला न्यायालय ने अमरमणि व उनकी पत्नी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

सत्ता में आने पर तीन साल में गैरसैंण शिफ्ट कर देंगे राजधानी : हरीश रावत

» उत्तराखंड चुनाव को लेकर कांग्रेस ने कसी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व सीएम और कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष हरीश रावत ने कहा कि वर्ष 2022 में सत्ता में आने पर ढाई से तीन वर्ष में गैरसैंण में अवस्थापना विकास और ढांचागत सुविधाएं जुटाने के बाद राजधानी वहां शिफ्ट कर देंगे। गैरसैंण में विधानसभा भवन का निर्माण म्यूजियम बनाने के लिए नहीं किया गया है। उन्होंने कहा 29 नवंबर को सत्र के पहले दिन कांग्रेस गैरसैंण में भव्य रैली निकालकर सरकार को चेताने का काम करेगी।

कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए हरीश रावत और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने गैरसैंण के मुद्दे पर भाजपा को कठघरे में खड़ा किया। इस अवसर पर पूर्व सीएम रावत ने कहा कि गैरसैंण के नाम पर भाजपा प्रदेश की जनता के साथ छलावा कर रही है। ग्रीष्मकालीन राजधानी होने के बावजूद वहां शीतकाल में सत्र आयोजित करना सरकार की नियत पर सवाल खड़े करता है। इससे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा गैरसैंण के मुद्दे पर कांग्रेस का स्टैंड स्पष्ट है।

विजय संकल्प शंखनाद कार्यक्रम अब 11 को होगा

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि यशपाल आर्य के पार्टी छोड़ने से भाजपा बौखला गई है। उन्होंने कहा कांग्रेस ने 10 नवंबर को हल्द्वानी के रामलीला मैदान में यशपाल आर्य के स्वागत में विजय संकल्प शंखनाद कार्यक्रम की घोषणा की थी, भाजपा ने उसी दिन सौ मीटर की दूरी पर मुख्यमंत्री का कार्यक्रम रख दिया। जो राजनीतिक शिष्टाचार के भी खिलाफ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का यह कार्यक्रम अब 11 नवंबर को होगा।

पार्टी की नियत पर किसी को भी शंका नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नौ माह पूर्व भाजपा के ही पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत ने सत्र के दौरान गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाने की घोषणा की थी।

छोटे दलों को साथ लेकर पूर्वांचल में जातीय समीकरण साधने में जुटी भाजपा

» यूपी में भाजपा ने सात गैर यादव ओबीसी जातियों की पार्टियों से किया गठबंधन

» अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी पकड़ रखती है पार्टियां ओपी राजभर के सपा में जाने से बदला गणित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव की जंग जीतने के लिए भाजपा कोई कोर कसर छोड़ने को तैयार नहीं है। विपक्षी दलों को चित करने के लिए भाजपा ने अब छोटी-छोटी गैर यादव ओबीसी जातियों की पार्टियों से गठबंधन कर लिया है। भाजपा ने इसे हिस्सेदारी मोर्चा का नाम दिया है। ये पार्टियां अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी पकड़ रखती हैं। इसके जरिए भाजपा पूर्वांचल में जातीय समीकरण साधेगी।

भाजपा पूर्वी उत्तर प्रदेश की इन सात पार्टियों-भारतीय मानव समाज पार्टी, शोषित समाज पार्टी, भारतीय सुहेलदेव जनता पार्टी, भारतीय समता समाज पार्टी, मानव हित पार्टी, पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी और मुसहर आंदोलन मंच उर्फ गरीब पार्टी को एक मंच पर लाने में कामयाब हो गई है। ये पार्टियां ओबीसी की हैं। इनका प्रभाव सीमित ही सही लेकिन अपने-अपने इलाके में प्रभावी हैं। भाजपा की कोशिश इन छोटी-छोटी पार्टियों को एक साथ लाकर यूपी में गैर यादव ओबीसी वोट बैंक में प्रभावी पकड़ बनाना है। भाजपा ने यह दांव ओपी राजभर के सपा में जाने के बाद चला है। 2017 के उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में भाजपा ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ गठबंधन कर पूर्वांचल में कुर्मी मतों में सेंध लगाने में कामयाब हुई थी लेकिन इस बार सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी

नेता ओपी राजभर ने सपा का साथ देने की घोषणा की है। इन कारण भाजपा ने छोटी-छोटी सात पार्टियों को अपने साथ लाने की कवायद की और इन पार्टियों के साथ गठबंधन का ऐलान किया। इसे हिस्सेदारी मोर्चा नाम दिया गया है।

हिस्सेदारी मोर्चा

हिस्सेदारी मोर्चा का संयोजक केवट रामधनी बिंद को बनाया गया है। बिंद का कहना है कि हमारे पास छोटी-छोटी जाति समूहों का समर्थन है। भाजपा गैर यादव ओबीसी और दलित पर फोकस कर रही है। इसी कारण हमने उनके साथ गठबंधन करने का फैसला किया है। भाजपा ने मोर्चे को एक बड़ा मंच दिया है। हम आगामी विधानसभा चुनाव में 15 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। भारतीय मानव समाज पार्टी को 2017 में बनाया गया। इसके प्रमुख केवट रामधनी बिंद हैं। यह ओबीसी में आने वाली निषाद जाति की उप जाति है। पूर्वी यूपी के करीब 10 जिलों प्रयागराज, जौनपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र और गाजीपुर में बिंद जाति की करीब 6 फीसदी आबादी है।

ओबीसी को ऐसे किया लामबंद

शोषित समाज पार्टी की स्थापना 2020 में हुई और इसके प्रमुख हैं बाबू लाल राजभर। ये ओपी राजभर के करीबी थे। उनकी पार्टी राजभर समुदाय सहित अन्य वर्गों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करती है। बाबूलाल का दावा है कि पूर्वी यूपी में राजभर समुदाय की आबादी करीब 14 से 22 फीसदी के बीच है। वह कहते हैं कि ओपी राजभर केवल अपने परिवार के बारे में सोचते हैं इसलिए इस बार समुदाय उनकी पार्टी को वोट करेगा।

भारतीय सुहेलदेव जनता पार्टी की स्थापना 2020 में की गई और इसके प्रमुख भीम राजभर हैं। इस पार्टी का बलिया जिले के राजभर समुदाय पर प्रभाव है। भीम राजभर भी पूर्व में ओपी राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के हिस्सा रह चुके हैं। भारतीय समता समाज पार्टी के प्रमुख महेंद्र प्रजापति हैं और इस पार्टी की स्थापना 2008 में हुई थी। इस पार्टी की नजर ओबीसी में आने वाले प्रजापति समुदाय पर है। महेंद्र प्रजापति का दावा है कि उनके समुदाय की आबादी राज्य की कुल जनसंख्या में करीब 5 फीसदी है। मानव हित पार्टी की स्थापना 2015 में हुई थी और इसके प्रमुख कृष्ण गोपाल सिंह हैं। इस पार्टी की नजर निषाद समुदाय की उपजाति कश्यप पर है। इस समुदाय के लोगों ने 1998 से 2014 तक बसपा का साथ दिया लेकिन अब ये भी भाजपा के गैर यादव ओबीसी फॉर्मूले में फिट बैठ रही है। पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी की स्थापना 2018 में हुई और इसके प्रमुख चंदन सिंह चौहान हैं। यह मुख्य रूप से नोनिया जाति की पार्टी है। पूर्वी यूपी में यह एक प्रमुख ओबीसी जाति है। ऐसा दावा किया जाता है कि पूर्वी यूपी में इस जाति की हिस्सेदारी करीब तीन फीसदी है। वाराणसी, चंदौसी और मिर्जापुर में इनका प्रभाव बताया जाता है। मुसहर आंदोलन मंच की स्थापना 2020 में हुई और इसके प्रमुख चंद्रमा वनवासी हैं। इस समूह ने खुद को गरीब पार्टी के नाम से पंजीकरण कराने में लगा है। यह पूर्वी यूपी के गाजीपुर में सक्रिय है। इनका फोकस दलित समुदाय में आने वाली मुसहर जाति के लोगों पर है।

किसानों के लिए सरकार लाई खास योजना वायु प्रदूषण पर भी लगेगी लगाम

» गोआश्रय स्थलों को पराली देने पर मिलेगी गोबर की खाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार पराली प्रबंधन व निराश्रित पशुओं के चारे का साथ इंतजाम कर रही है। सभी किसानों से अनुरोध किया गया है कि वे खेतों में पराली न जलाएं, क्योंकि इससे वायु प्रदूषण बढ़ता है। वे पराली को पशुओं के आश्रय स्थलों पर पहुंचाएं ताकि उसे मवेशी खा सकें इसके बदले किसान गोबर की खाद ले सकते हैं। अपर मुख्य सचिव कृषि डा. देवेश चतुर्वेदी ने जिलाधिकारियों को भेजे पत्र में कहा है कि गोआश्रय स्थलों पर पराली की ढुलाई के लिए राज्य वित्त आयोग से धन प्राप्त किया जा सकता है।

सरकार के इस कदम से धान की फसल के अवशेषों को पशुओं के चारे, विशेषकर निराश्रित मवेशियों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। धान की पराली में उच्च सिलिका होने के कारण उसका चारे के रूप में उपयोग सीमित है, फिर भी कृषि विभाग पराली जलने से रोकने के लिए अभियान चला रहा है, जिसमें गाय के गोबर की खाद के साथ पराली के आदान-प्रदान का प्रावधान है। सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत गड्ढों को खोदने के लिए श्रमिकों को प्रस्ताव दिया है ताकि बायो-कंपोस्ट तैयार किया जा सके।

बड़े पैमाने पर जलाई जाती है पराली

कृषि मंत्रालय की ओर से 2019 में तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब में पराली बड़े पैमाने पर जलाई जाती है। इसके बाद हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ये घटनाएं होती हैं। असल में, अक्टूबर और नवंबर के दौरान बोई जाने वाली रबी फसल (गेहूं व आलू) के लिए खेतों को साफ करने के लिए किसान पराली जलाते हैं। वजह, धान की फसल की कटाई और अगली फसल की बोवाई के बीच का समय केवल से दो से तीन सप्ताह का होता है।

कई जिलों में किसानों पर हुई कार्रवाई

प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर आदेश जारी किया है कि किसी भी सूरत में खेतों में धान की पराली न जलाई जाए लेकिन प्रदेश के कई जिलों में सरकार की मनाही के बावजूद किसान पराली जला रहे हैं। पराली जलाने को लेकर उत्तर प्रदेश के कई जिलों में किसानों पर कार्रवाई किए जाने की खबरें आ रही हैं। हरदोई में पराली जलाने के आरोप में 21 किसानों पर आर्थिक जुर्माना लगाया गया है। वहीं, महाराजगंज में एक किसान पर एफआईआर भी कराई गई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

प्रदेश में प्रदूषण पर लगाम कब?

सर्दियों की आहट के साथ हर साल की तरह इस बार भी उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत तमाम शहरों की हवा फिर जहरीली होने लगी है। लोगों का सांस लेना दूभर होता जा रहा है। श्वांस रोगी परेशान हैं। बावजूद इसके प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अभी तक कोई फौरी कदम तक नहीं उठाए गए हैं। सवाल यह है कि प्रदूषण का स्थायी समाधान क्यों नहीं किया जा रहा है? कोर्ट के आदेशों के बावजूद प्रदूषण फैलाने वाले कारकों और इसके उत्सर्जनकर्ताओं पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्या कर रहा है? प्रदूषण नियंत्रण के आदेश कागज पर क्यों सिमट गए हैं? क्या नागरिकों को स्वच्छ हवा उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है? क्या लालफीताशाही और लचर तंत्र ने पूरी व्यवस्था को चौपट कर दिया है? आखिर इस जानलेवा लापरवाही के लिए कौन जिम्मेदार है?

उत्तर प्रदेश में एक बार फिर प्रदूषण बढ़ने लगा है। यह प्रदूषण कई कारणों से उत्पन्न होता है। कोर्ट के सख्त आदेश के बावजूद सरकार किसानों को पलारी जलाने से रोकने में नाकाम साबित हो रही है। किसान अगली फसल बोने के लिए बड़ी मात्रा में खेतों में फसलों के अवशेष यानी पलारी जला रहे हैं। इससे निकलने वाला धुंआ कुहरे से मिलकर स्मॉग बना रहा है। वहीं कारखानों और वाहनों से निकलने वाला धुंआ शहरों को प्रदूषित कर रहा है। रही-सही कसर खुले में रखी निर्माण सामग्री से निकाल रही है। इससे महीन धूल कण हवा में घुलकर लोगों के सांस के साथ शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। इससे श्वांस रोगियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। यह स्थिति तब है जब खुले में निर्माण सामग्री को रखने पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है लेकिन यह आदेश केवल कागजों पर सिमट कर रह गया है। सरकार ने इसको रोकने के लिए कोई रणनीति नहीं बनायी है न ही संबंधित विभाग इसकी निगरानी करते हैं। लिहाजा हालात हर साल बद से बदतर हो जाते हैं। अभी जब कोहरा पूरी तरह नहीं है तब प्रदेश के कई शहरों की हवा खतरनाक स्तर तक पहुंच चुकी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक सोमवार को आगरा सबसे प्रदूषित शहर रहा है। यहां का एक्यूआई सबसे खराब यानी 486 था। इसके अलावा वृंदावन, बागपत, गाजियाबाद, हापुड़, नोएडा और लखनऊ की हवा बेहद खराब रही है जबकि हवा का एक्यूआई 50-100 के बीच होना चाहिए। जाहिर है, यदि सरकार प्रदूषण से शहरों को मुक्त करना चाहती है तो उसे आदेशों को अमल में लाना होगा और साथ ही इसका स्थायी समाधान भी तलाशना होगा। वहीं प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी सुनिश्चित करनी होगी।

“ सवाल यह है कि प्रदूषण का स्थायी समाधान क्यों नहीं किया जा रहा है? कोर्ट के आदेशों के बावजूद प्रदूषण फैलाने वाले कारकों और इसके उत्सर्जनकर्ताओं पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्या कर रहा है? प्रदूषण नियंत्रण के आदेश कागज पर क्यों सिमट गए हैं? क्या नागरिकों को स्वच्छ हवा उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चीन के आर्थिक सर्जरी से लें सबक

भरत झुनझुनवाला

चीन इस समय तीन संकटों से जूझ रहा है। पहला बेल्ट एंड रोड परियोजना या बीआरआई का है। बीते दो दशकों में चीन ने सम्पूर्ण विश्व को माल निर्यात किया है और चीन को भारी मात्रा में आय हुई है। इस रकम का निवेश करना जरूरी था। चीन ने इसका उपयोग बीआरआई में किया है। इससे चीन के निर्यातकों को आसानी होगी क्योंकि चीन का माल दूसरे देशों में आसानी से पहुंच सकेगा। साथ-साथ चीन की निर्माण कंपनियों को भी बड़े ठेके मिलेंगे लेकिन दूसरे देशों पर बीआरआई का प्रभाव संदिग्ध है। विश्व बैंक के अनुसार चीन से यूरोप को जाने वाली बीआरआई पर कजाकिस्तान और पोलैंड में निर्माण की गतिविधियां बढ़ी हैं लेकिन बीआरआई में भ्रष्टाचार व्याप्त है।

चीन की नौकरशाही द्वारा परियोजनाओं की लागत को बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है और पर्याप्त रकम का रिसाव कर लिया जाता है। इस दृष्टि से मलेशिया के प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद ने बीआरआई को 'नया उपनिवेशवाद' बताया है। म्यांमार ने कुछ बंदरगाह परियोजनाओं को निरस्त किया है। अन्य तमाम देशों ने परियोजनाओं के आकार में बदलाव की मांग की है इसलिए बीआरआई के दो परस्पर विरोधी संकेत उपलब्ध हैं। एक तरफ कजाकिस्तान और पोलैंड जैसे देशों को लाभ हो रहा है जबकि दूसरी तरफ मलेशिया जैसे देश इसका विरोध कर रहे हैं। इन दोनों परस्पर विरोधी संकेतों के बीच चीन को बीआरआई की सर्जरी करनी होगी, जिसमें केवल कुशल परियोजनाओं को लागू किया जाए और परियोजनाओं में रिसाव पर नियंत्रण किया जाए। फिलहाल चीन यह सर्जरी नहीं कर रहा है इसलिए बीआरआई पर संकट विद्यमान रहने की संभावना है। चीन का दूसरा संकट एवरग्रैंड नाम की कंस्ट्रक्शन कंपनी और दूसरी इसी तरह की विशाल कंपनियों का है। इन कंपनियों ने भारी मात्रा में लोन लिए थे। एवरग्रैंड ने भारी मात्रा में बहुमंजिले रिहायशी मकान बनाए लेकिन कोविड संकट के कारण इनकी बिक्री नहीं हो सकी। फलस्वरूप यह कंपनी लोन से दब गई और समय के अनुसार रिपेमेंट नहीं कर पा रही थी। इस तरह की कंपनियों के डूबने से संपूर्ण अर्थव्यवस्था में संकट पैदा न हो, इसलिए शी जिनपिंग ने नियम बनाया कि किसी भी कंपनी को लोन तब ही दिए जायेंगे जब वे तीन शर्तों को पूरा करेंगी। पहली कंपनी की कुल संपत्ति, कंपनी द्वारा लिए गए कुल लोन से अधिक होनी चाहिए। दूसरी कंपनी के

पास अल्प समय में लोन के रिपेमेंट को जितनी रकम की जरूरत है, उससे अधिक नकद उपलब्ध होना चाहिए। तीसरी कंपनी के अपनी पूंजी या शेयर कैपिटल की तुलना में लिया गया लोन कम होना चाहिए। जिन कंपनियों द्वारा इन तीनों शर्तों को पूरा किया जाता था, केवल उन्हीं को बैंक लोन दे सकते थे। एवरग्रैंड इन तीनों ही शर्तों को पूरा नहीं कर सकी। फलस्वरुप एवरग्रैंड को नए लोन नहीं मिल सके। इस संकट से उबरने के लिए एवरग्रैंड को अपनी संपत्तियों को कम मूल्य पर बेचना पड़ा। चीन की सरकार ने सार्वजनिक इकाइयों को आदेश दिए कि एवरग्रैंड की संपत्तियों को वे कम दाम पर खरीद सकते हैं। इस प्रकार भारी भरकम लोन से दबी हुई एवरग्रैंड कंपनी को अपनी संपत्तियां बेचकर अपने को हल्का बनाना पड़ रहा है। यदि सरकार इस प्रकार का सख्त कदम नहीं उठाती तो बैंक इस कंपनी को और लोन देते रहते और आने वाले समय में यह बड़े संकट के रूप में संपूर्ण चीन की अर्थव्यवस्था को डुबा सकती थी इसलिए चीन द्वारा अपनी वित्तीय अर्थव्यवस्था की सर्जरी की गई है। चीन के सामने तीसरा संकट बिजली का है। इसका कारण यह है कि शी जिनपिंग ने प्रदूषण फैलाने वाले थर्मल संयंत्रों द्वारा वायु के प्रदूषण किए जाने पर रोक लगाई है। कोयले से बिजली उत्पादन करने वाले कई संयंत्र बंद हो गए हैं और बिजली का संकट पैदा हो गया है। यह भी चीन के लिए शुभ संकेत है। प्रदूषण कम होने से अर्थव्यवस्था मूलत: सुदृढ़ होती है। ऊर्जा का कुशल उपयोग होता है और लम्बे समय में सस्ता माल बनाया जाता है। भारत को चीन द्वारा उठाए गए इन कदमों से सीख लेनी चाहिए। पहला यह कि अपने देश में थर्मल बिजली संयंत्रों और जल विद्युत परियोजनाओं द्वारा भारी मात्रा में प्रदूषण किया जा रहा है, जिस पर रोक लगाने से हमारी अर्थव्यवस्था कुशल होगी। भारत सरकार फिलहाल सस्ती बिजली के लिए प्रदूषण को छूट दे रही है जो अर्थव्यवस्था को डुबाएगी। फिर भी भारत सरकार ने वित्तीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सही कदम उठाए हैं। बड़ी संकटग्रस्त कमजोर कंपनियों को भारतीय बैंकों से लोन मिलने कम हो गए हैं और आने वाले समय में वित्तीय संकट भारत पर उत्पन्न नहीं होगा लेकिन बिजली के क्षेत्र में भारत को चीन की तरह अपनी सर्जरी करनी होगी अन्यथा हम आने वाले समय में चीन से पिछड़ जाएंगे।

नेट-जीरो की राह दिखाता नालंदा विवि

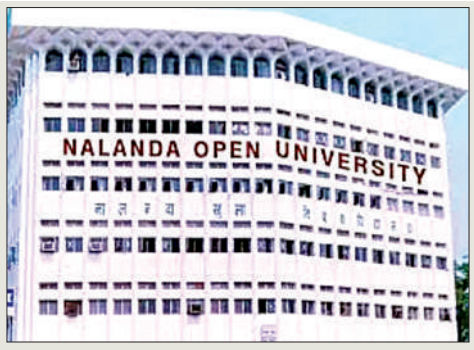

प्रो. सुनैना सिंह

ग्लासगो के जलवायु शिखर सम्मेलन (सीओपी26) में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'लाइफ' आंदोलन से जुड़ने की अपील की। उन्होंने लोगों से एकजुट होकर लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरमेंट (लाइफ) को आगे ले जाने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर हम रोज जागरूकता के विकल्प को चुन कर आत्म-साक्षात्कार की राह पर आगे बढ़ते हैं तो पर्यावरण के प्रति हमारी जागरूक जीवन शैली कई क्षेत्रों में क्रांति ला सकती है। सबसे अहम बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2070 तक भारत में नेट-जीरो उत्सर्जन को प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है।

नालंदा विश्वविद्यालय ने सबसे बड़ा नेट-जीरो कैंपस बनाकर पहले ही इस दिशा में कदम बढ़ा दिया है। नालंदा विश्वविद्यालय में प्रकृति के साथ सद्भाव हमारी आदतों में शुमार हो चुका है। ज्ञान के इस प्राचीन केंद्र के विध्वंस के आठ शताब्दियों बाद भारतीय संसद के अधिनियम 2010 के तहत विदेश मंत्रालय के तत्वाधान में एक बार फिर एक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय नालंदा विश्वविद्यालय का जन्म हुआ। नालंदा विश्वविद्यालय का 455 एकड़ का विशाल परिसर बिहार के राजगीर में पहाड़ियों की सुरम्य तलहटी में स्थित है। इस परिसर को कार्बन-तटस्थ और शून्य-अपशिष्ट परिसर बनाने के लिए प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के योजना सिद्धांतों के साथ-साथ अत्याधुनिक तकनीकों की भी मदद ली गयी है। विश्वविद्यालय परिसर के निर्माण के दौरान इस बात का खास ख्याल रखा गया कि इसे प्राकृतिक वातावरण और जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप डिजाइन किया जाए। साथ ही, वास्तुकला, डिजाइन, निर्माण और सेवाओं के साथ पर्याप्त स्मार्ट ऊर्जा की उपलब्धता की रणनीतियों को भी एकीकृत किया गया है।

नालंदा के नेट-जीरो कैंपस में 80 अकादमिक, प्रशासनिक भवनों और 113 आवासीय भवनों का निर्माण प्राचीन भारतीय स्वदेशी ऊर्जा मॉडल को ध्यान में रखकर किया गया है। इसके तहत बायोगैस, कैविटी वाल, सौर ऊर्जा और ऊर्जा के अन्य प्राकृतिक स्रोतों का भी समावेश किया गया है। इससे न केवल अपव्यय को कम करने में मदद मिली है, बल्कि कार्बन फुटप्रिंट को भी कम किया जा सका है। विश्वविद्यालय परिसर पूरी तरह से नेट-जीरो सिद्धांत पर आधारित है। परिसर के अंदर पानी की हर बूंद को संरक्षित करने के लिए आधुनिक के साथ-साथ पारंपरिक संसाधनों का भी उपयोग किया जा रहा है। हमने प्राचीन आहर-पाइन प्रणाली (5,000 साल पुरानी बाढ़ जल संचयन की एक प्रणाली) को पुनर्जीवित किया है। परिसर में जल प्रबंधन के लिए दो तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। पहला, प्रकृति से प्राप्त पानी का संरक्षण है और दूसरा, पानी को व्यर्थ होने से बचाना है। परिसर की चारदीवारी से जुड़े पइन (जल चैनल) की मदद से बारिश के पानी को आहर तक पहुंचाया जाता है।

उपयोग किये जा सकनेवाले 80 प्रतिशत पानी को शुद्ध करने के लिए कैंपस के अंदर विकेंद्रीकृत जल उपचार प्रणालियों को भी प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। इस पानी को परिसर के बीच में बने चार तालाबों के समूह कमल सागर में संरक्षित किया जा रहा है। नालंदा विश्वविद्यालय ने राजगीर में नेकपुर और मेयार गांवों में सात जगहों पर जल संसाधन प्रबंधन के लिए एक एक्यूफर स्टोरेज एंड रिकवरी सिस्टम की भी स्थापना की है। तापमान में कमी और हवा को शुद्ध करने के लिए चुनिंदा औषधीय पौधे भी लगाये गये हैं। परिसर के अंदर पर्याप्त छाया और सूक्ष्म जलवायु सुधार की व्यवस्था भी बनायी गयी है। पर्यावरण अनुकूल इमारतों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि वहां हमेशा पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी मिलती रहे। पर्याप्त ऊर्जा की आपूर्ति के लिए हम स्वदेशी अवधारणाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम इमारतों को ठंडा/गर्म करने के लिए डेसिकेंट इवेपोरेटिव तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। थर्मल प्रतिरोध को बढ़ाने के लिए मोटी कैविटी की दीवारों का उपयोग, सामान्य पकायी हुई मिट्टी की ईंटों के बजाय कंप्रेस्ड स्टैबिलाइज्ड अर्थ ब्लॉक्स का उपयोग और स्मार्ट तकनीकों तथा ऑटोमेटेड अप्रोच के उपयोग से हम आत्मनिर्भर बनने में सक्षम हो पाये हैं।

हम परस्पर जुड़ी दुनिया में रहते हैं, जहां निरंतर परिवर्तन होता है। नालंदा में नवीनीकरण का मतलब होता है हमारे अतीत के विचार की ओर लौटते हुए कुछ ऐसा नया बनाना, जो पहले कभी अस्तित्व में था ही नहीं। प्राचीन और आधुनिक के बीच तालमेल खोजना ही आज की दुनिया में आगे बढ़ने का रास्ता है। नालंदा विश्व का पहला विश्वविद्यालय और भारत तथा विश्व को जोड़ने वाला सेतु भी था। यह विचारों और ज्ञान का ऐसा केंद्र था, जहां विभिन्न राष्ट्रों और नस्लों के विद्वान उत्कृष्टता की खोज से एक साथ बंधे थे। इन सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान ने कला, वास्तुकला, संस्कृति, भाषा, चिकित्सा, बौद्ध धर्मशास्त्र, सार्वजनिक स्वास्थ्य और गणित के क्षेत्र में एक अमिट छाप छोड़ी है। नयी सहस्राब्दी में हम खुलेपन और बौद्धिक जिज्ञासा की उसी परंपरा का पालन कर रहे हैं, जिसमें हमारे पास 30 से अधिक देशों के छात्र हैं। सत्यनिष्ठा, कल्पना और नवीनता ही इस ऐतिहासिक विश्वविद्यालय की पुनर्स्थापना के आधार स्तंभ हैं।

सर्दी के मौसम में जल्दी घेरती हैं 10 बीमारियां

सर्दियों का मौसम आते ही कुछ लोगों की मुश्किलें खड़ी हो जाती है। एकदम से ठंड बढ़ने का असर हमारे दिमाग और शरीर दोनों पर दिखाई देने लगता है। अस्थमा, अर्थराइटिस, हाई ब्लड शुगर और होंठ फटने या रूखी त्वचा से परेशान लोगों के लिए यह मौसम किसी मुसीबत से कम नहीं होता है। आइए आज आपको 10 ऐसी समस्याओं के बारे में बताते हैं जो सर्दी के मौसम में ज्यादा देखने को मिलती हैं।

हाई ब्लड शुगर

सर्दी के मौसम में हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों को सेहत का खास ख्याल रखना चाहिए। एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डेनिस गेज कहते हैं कि ज्यादा ठंडा या गर्म तापमान होने पर शरीर से कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन रिलीज होने लगते हैं। ये इंसुलिन प्रतिरोध में योगदान दे सकता है। डायबिटीज के रोगियों को इस मौसम में कम से कम एक बार खून में शुगर लेवल की जांच जरूर करनी चाहिए।

माइग्रेन

विटामिन-डी की वजह से माइग्रेन की समस्या बढ़ सकती है। डॉ। रॉबर्ट सेगल कहते हैं कि सर्दियों में शुष्क मौसम बॉडी में डीहाइड्रेशन को ट्रिगर कर सकता है। डीहाइड्रेशव से माइग्रेन का जोखिम भी काफी बढ़ जाता है।

सख्त मांसपेशियां

गर्मी के मौसम में हमारा शरीर काफी गर्म रहता है, जबकि सर्दियों में ये काफी ठंडा और सख्त हो जाता है। इस मौसम में हमारा ब्लड फ्लो और सर्कुलेशन भी काफी कम हो जाता है। सर्दियों में इसे दुरुस्त रखने के लिए हमें शरीर को ज्यादा एक्टिव रखने की जरूरत होती है।

अर्थराइटिस

सर्दियों में अक्सर लोगों को हड्डियों और जोड़ों में दर्द की समस्या सताने लगती है। आर्थराइटिस के मरीजों में ये दिक्कत ज्यादा देखी जाती है। आप यकीन करें या न करें, लेकिन ये परेशानी ठंड की वजह से नहीं बैरोमेट्रिक प्रेशर की वजह से बढ़ती है। कोशिकाओं में एटमॉफेरिक प्रेशर में बदलाव के चलते आर्थराइटिस के मरीजों को दिक्कत ज्यादा होती है।

अस्थमा

सर्दी के मौसम में कोल्ड और फ्लू जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस मौसम में अस्थमा यानी सांस में तकलीफ काफी जाती है। एलर्जी एंड अस्थमा नेटवर्क की एमडी पूर्वी पारिख कहती हैं कि घर में धूल के कण, जानवरों की रूसी और फंगस जैसी इंडोर एलर्जी भी अस्थमा की दिक्कत को ट्रिगर करती हैं।

स्नो ब्लाइंडनेस

सूर्य की पैराबैंगनी किरणें सर्दी और गर्मी दोनों ही मौसम में इंसान के लिए खतरनाक हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं बर्फ से परावर्तित होने वाली सूरज की किरणें हमारी आंखों पर बहुत बुरा असर डालती हैं। इससे कैंसर और स्नो ब्लाइंडनेस का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसलिए एक्सपर्ट ड्राइविंग के दौरान यूवी ब्लॉकिंग सनग्लास पहनने की भी सलाह देते हैं।

दांतों में दर्द

अगर आपके दांत सेंसटिव हैं तो कोल्ड ड्रिंक या ठंडी चीजों से आपको दांतों में दर्द महसूस होता होगा। ठंडी हवाएं भी ओरल सेंसटिविटी को ट्रिगर करती हैं। खासतौर से अगर आपको दांतों में हेयरलाइन फ्रैक्चर, क्राउन, ब्रिज या मसूड़ों से जुड़ी पीरियडॉन्टल डिसीज हो। ऐसी दिक्कत होने पर आपको डेंटल एक्सपर्ट से राय लेनी चाहिए।

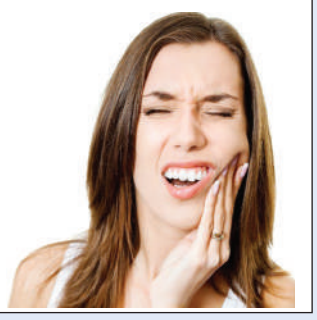

होंठ और जुबान

ठंडी हवा और शुष्क मौसम के चलते हमारे होंठे सूखने लगते हैं। ऐसा होने पर हम बार-बार अपनी जुबान होठों पर फेरने लगते हैं। इसकी लार होठों को कुछ देर राहत तो देती है, लेकिन इसमें मौजूद एंजाइम होंठ या त्वचा के लिए अच्छे नहीं हैं। ये न सिर्फ आपकी होंठ और त्वचा पर बुरा असर डालते हैं, बल्कि आपको बीमार भी कर सकते हैं।

बैली फैट

बॉडी में मौजूद व्हाइट फैट को सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं शरीर में एक ब्राउन फैट भी होता है। ये फैट सर्दियों में आपकी कैलोरी को बर्न करके शरीर को गर्म रखने का काम करता है। मैनहेटम कार्डियोलॉजी के फाउंडर रॉबर्ट सेगल कहते हैं कि सर्दियों में एक्सरसाइज करके ब्राउन फैट बढ़ाया जा सकता है।

कहानी — सियार की रणनीति

एक जंगल में महाचतुरक नामक सियार रहता था। एक दिन जंगल में उसने एक मरा हुआ हाथी देखा। उसकी बांछे खिल गईं। उसने हाथी के मृत शरीर पर दांत गड़ाया पर चमड़ी मोटी होने की वजह से, वह हाथी को चीरने में नाकाम रहा। वह कुछ उपाय सोच ही रहा था कि उसे सिंह आता हुआ दिखाई दिया। आगे बढ़कर उसने सिंह का स्वागत किया और हाथ जोड़कर कहा, स्वामी आपके लिए ही मैंने इस हाथी को मारकर रखा है, आप इस हाथी का मांस खाकर मुझ पर उपकार कीजिए। सिंह ने कहा, मैं तो किसी के हाथों मारे गए जीव को खाता नहीं हूं, इसे तुम ही खाओ। सियार मन ही मन खुश तो हुआ पर उसकी हाथी की चमड़ी को चीरने की समस्या अब भी हल न हुई थी। थोड़ी देर में उस तरफ एक बाघ आ निकला। बाघ ने मरे हाथी को देखकर अपने होंठ पर जीभ फिराई। सियार ने उसकी मंशा भांपते हुए कहा, मामा आप इस मृत्यु के मुंह में कैसे आ गए? सिंह ने इसे मारा है और मुझे इसकी रखवाली करने को कह गया है। एक बार किसी बाघ ने उनके शिकार को जूठा कर दिया था तब से आज तक वे बाघ जाति से नफरत करने लगे हैं। आज तो हाथी को खाने वाले बाघ को वह जरुर मार गिराएंगे। यह सुनते ही बाघ वहां से भाग खड़ा हुआ। पर तभी एक चीता आता हुआ दिखाई दिया। सियार ने सोचा चीते के दांत तेज होते हैं। कुछ ऐसा करूं कि यह हाथी की चमड़ी भी फाड़ दे और मांस भी न खाए। उसने चीते से कहा, प्रिय भांजे, इधर कैसे निकले? कुछ भूखे भी दिखाई पड़ रहे हो। सिंह ने इसकी रखवाली मुझे सौंपी है, पर तुम इसमें से कुछ मांस खा सकते हो। मैं जैसे ही सिंह को आता हुआ देखूंगा, तुम्हें सूचना दे दूंगा, तुम सरपट भाग जाना। पहले तो चीते ने डर से मांस खाने से मना कर दिया, पर सियार के विश्वास दिलाने पर राजी हो गया।चीते ने पलभर में हाथी की चमड़ी फाड़ दी। जैसे ही उसने मांस खाना शुरू किया कि दूसरी तरफ देखते हुए सियार ने घबराकर कहा, भागो सिंह आ रहा है। इतना सुनना था कि चीता सरपट भाग खड़ा हुआ। सियार बहुत खुश हुआ। उसने कई दिनों तक उस विशाल जानवर का मांस खाया। सिर्फ अपनी सूझ-बूझ से छोटे से सियार ने अपनी समस्या का हल निकाल लिया।

सीख: बुद्धि के प्रयोग से कठिन से कठिन काम भी संभव हो जाता है।

हंसना मना है

शादी के बाद दो दोस्तों की मुलाकात हुई तो एक दूसरे का हाल पूंछने लगे। **पहला:** और भाई कैसे गुजर रहा है? **दूसरा:** सब खैरियत है। आपस में बहुत ही अंडरस्टैंडिंग है। सुबह दोनों मिलकर नाश्ता बनाते हैं, फिर बातों बातों में बर्तन धो लेते हैं। प्यार प्यार से मिल बांट कर सारे कपड़े धो लेते हैं। कभी वह किसी खास डिश की फरमाइश कर देती हैं और कभी मैं अपनी मर्जी से कुछ पका लेता हूं। मेरी बीबी बहुत सफाई पसंद है, इसलिये घर की साफ सफाई मेरी जिम्मेदारी है। फिर पहले ने दुसरे से पूछा, आप सुनाओ आपकी कैसे गुजर रही है? **पहला:** भाईजान बेइज्जती तो मेरी भी इतनी ही हो रही है जितनी आपकी।

बेटा (अपनी मां से): मम्मी, आज मेरे दोस्त घर आ रहे हैं। प्लीज मेरे सारे खिलौने आपकी अलमारी में छुपा दो। **मम्मी:** क्यों, क्या तुम्हारे सारे दोस्त चोर हैं? **बेटा:** नहीं, वे अपनी चीजें पहचान लेंगे।

7 अंतर खोजें

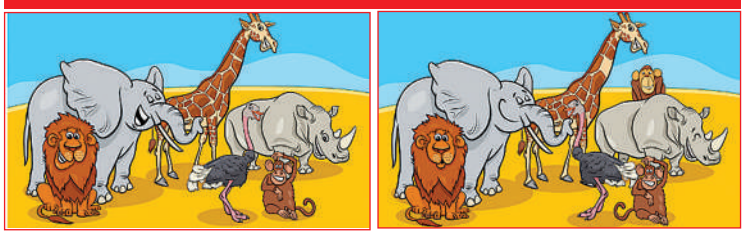

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मेहमानों का आगमन होगा। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने काम से काम रखें।

वृषभ

कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। परिवार एवं समाज में आपके कामों को महत्व एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा।

मिथुन

चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें।

कर्क

सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है।

सिंह

लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है। संत-समागम होगा।

कन्या

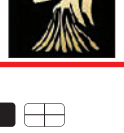

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। स्थायी संपत्ति के मामले उलझेंगे।

तुला

कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे।

वृश्चिक

पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे।

धनु

घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें। अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी।

मकर

चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी। खर्चों में कमी करें।

कुम्भ

भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। विपरीत परिस्थितियों का सफलता से सामना कर सकेंगे। घर-परिवार की चिंता रहेगी।

मीन

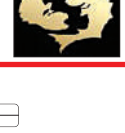

शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

पद्मश्री मिलने पर कंगना रनौट ने जाहिर की खुशी

कंगना रनौट को देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। पद्म अवॉर्ड्स 2020 का आयोजन दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में किया गया। अपने क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए देश के कई लोगों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इससे पहले कंगना रनौट को हाल ही में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से भी नवाजा गया था। कंगना को उनकी दो फिल्मों मणिकर्णिका और पंगा के लिए यह पुरस्कार मिला था। कंगना को पद्मश्री मिलने के बाद उन्होंने अपनी खुशी को सोशल मीडिया पर जाहिर की है। कंगना रनौट ने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एक्ट्रेस कह रही हैं, दोस्तों एक कलाकार के रुप में मुझे बहुत प्यार और सम्मान मिला है, लेकिन आज पहली बार एक आदर्श नागरिक होने के नाते देश से अवॉर्ड मिला है। मैंने जब अपने करियर की शुरुआत की तो मुझे कई सालों तक सफलता नहीं मिली। लेकिन जब मुझे 8-10 सालों बाद सफलता मिली तो मैंने सफलता का मजा नहीं लिया। उन्होंने कहा, मैंने कई चीजों का बहिष्कार किया चाहे वह आइटम नंबर हो या बड़े प्रोडक्शन की फिल्में मैंने इन सब चीजों का बहिष्कार किया। यहां तक की पैसों से ज्यादा दुश्मन बनाए। जब देश के खिलाफ होने वाली चीजों के खिलाफ आवाज उठाई। यहां तक की मुझ पर कई केस भी चल रहे हैं। ये सम्मान बहुत से लोगों का मुंह बंद करेगा। मैं इस देश का बहुत सम्मान करती हूं.. जय हिंद। कंगना रनौट के वर्क फ्रंट की बात करें वो वो जल्द ही फिल्म धाकड़, तेजस, द इनकार्नेशन: सीता, इमरजेंसी, मणिकर्णिका रिटर्न्स : द लेजेंड ऑफ दिद्दा में दिखाई देने वाली हैं। इसके अलावा वह टीकू वेड्स शेरु को प्रोड्यूस कर रही है।

बंटी और बबली-2 का टाइटल ट्रैक रिलीज

बॉलीवुड | मसाला

सैफ अली खान और एक्ट्रेस रानी मुखर्जी की आगामी फिल्म बंटी और बबली 2 जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को रिलीज किए जाने की सारी तैयारियां की जा रही हैं। इस बीच इस फिल्म के मेकर्स ने बंटी और बबली 2 के टाइटल ट्रैक को रिलीज कर दिया है। यशराज फिल्मस के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर फिल्म के इस सॉन्ग को 8 नवंबर (सोमवार) को रिलीज किया गया है। फैंस इस सॉन्ग को खूब पसंद कर रहे हैं। रानी और सैफ की जोड़ी लंबे समय के बाद एक बार फिर से बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाली हैं। फैंस इस जोड़ी को एक साथ देखने के लिए काफी बेताब हैं। बंटी और बबली 2 में सैफ अली खान और रानी मुखर्जी के अलावा सिद्धांत चतुर्वेदी और शारवरी की जोड़ी भी नजर आने वाली है। बता दें कि यशराज फिल्म्स की अपकमिंग प्रोडक्शन बंटी और बबली 2 ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। यह फिल्म 2005 की यादगार फिल्म का सीक्वल है, जो दो कलाकारों के सेट के बारे में है जो लगातार दूसरे को मात देने की कोशिश करते हैं। यह गीत शंकर-एहसान-लॉय जैसे सर्वश्रेष्ठ संगीतकारों और कलाकारों को लाता है, जिन्होंने संगीत तैयार किया है, सिद्धार्थ महादेवन, जिनकी आवाज ने ट्रैक को बढ़त दी है। प्रसिद्ध गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य और प्रसिद्ध रैपर बोहेमिया जिन्होंने गाने में रैप का तड़का लगाया है। यह सॉन्ग मस्ती और एक्शन से भरपूर है। ट्रैक में

अमिताभ भट्टाचार्य के सिग्नेचर लिरिक्स हैं, जो ढोल और प्रोग्रेसिव क्लब म्यूजिक के फ्यूजन से भरपूर हैं। एक तरफ जहां सैफ अली खान और रानी मुखर्जी मूल बंटी और बबली की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, गली बॉय के अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी और नवोदित शरवरी नए बंटी और बबली के किरदारों का अभिनय करेंगे। यह फिल्म इसी साल 19 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

नवाजुद्दीन-अवनीत कौर की टीकू वेड्स शेरू का फर्स्ट लुक जारी

बॉलीवुड | गपशप

बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों की इन दिनों शूटिंग चल रही है तो कई रिलीज के लिए तैयार हैं। वहीं, इन सबके बीच नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अवनीत कौर की आगामी फिल्म टीकू वेड्स शेरू जबरदस्त सुर्खियों में है। एक्ट्रेस कंगना रनौत ने इस फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया है। इस फिल्म के फर्स्ट लुक में नवाज और अवनीत दोनों ही अनोखे अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। फिल्म की पहली झलक शेयर करते हुए कंगना रनौत ने इस फिल्म के बारे में खास जानकारी भी दी है। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अवनीत कौर की आने वाली फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर किया है। इस फिल्म के फर्स्ट लुक में दोनों कलाकार अलग-अलग अवतार में नजर आ रहे हैं। कंगना ने इस फिल्म को लेकर तीन पोस्ट शेयर किए हैं। पहले

पोस्ट में नवाज ऑल ब्लू लुक में शेरू के रोल में दिखाई दे रहे हैं। वहीं, अगले पोस्ट में अवनीत कौर रेड कलर की स्टाइलिश ड्रेस में टीकू के किरादर में नजर आ रहे हैं। इसके अलावा तीसरे पोस्ट में ये दोनों दूल्हा-दुल्हन के लुक में नजर आ रहे हैं। टीकू वेड्स शेरू के फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए कंगना ने लिखा- पद्मश्री सम्मान मिलने के दिन ही मैं प्रोड्यूसर के तौर पर अपनी जर्नी शुरू कर रही हूं। ये मेरे लिए काफी स्पेशल है। इसके साथ ही कंगना ने कहा, आप सभी के साथ मणिकर्णिका फिल्म का। Ltd के बैनर तले बन रही अपनी पहली प्रोडक्शन वेंचर का फर्स्ट लुक शेयर कर रही हूं। ये मेरे जिगर का एक टुकड़ा, उम्मीद है कि आप सभी को ये पसंद आएगा। फिल्मिंग शुरू हो रही है। बता दें कि ये फिल्म अमेजॉन प्राइम पर रिलीज होने वाली है।

अजब-गजब | यहां खाने में अलग से नमक डालना बुरा माना जाता है

इस देश में खाने में अलग से नमक डालना पड़ सकता है भारी

दुनिया के हर देश के रीति-रिवाज अलग-अलग होते हैं। लोग इन्ही रीति-रिवाजों को सदियों से अपनाते आ रहे हैं अगर गलती से कोई उन्हें तोड़ने की कोशिश भी करता है तो मुसीबत में फंस सकता है। आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं जहां खाना खाते वक्त अलग से नमक मांगना या खाने में डालना बुरा माना जाता है। अगर किसी ने गलती से नमक मांग भी लिया तो उसे मुसीबत मोल लेने जैसा काम कर दिया। दरअसल, हम बात कर रहे हैं मिस्र की। हजारों साल पुराने पिरामिडों के लिए दुनिया में विख्यात मिस्र में खाना खाने के दौरान नमक मानना बुरा माना जाता है। इससे न सिर्फ मेजबान की बेइज्जती होती है बल्कि खाने की तौहीन भी होती है।

इसलिए अगर आप कभी मिस्र जाएं तो वहां गलती से भी खाने में डालने के लिए नमक न मांग लेना। यही नहीं होटल और रेस्तां में में भी नमक मांगने की गलती से आपको परेशानी हो सकती है। बता दें कि मिस्र में खाना खाते वक्त ये मानकर चलें कि टेबल पर नमक

रखा ही नहीं है। अगर खाना परोसे जाने के बाद आपने सॉल्टस्प्रिंकलर को देखने की भी गलती की तो लोग आपकी तरफ देखने लगेंगे। वहीं अगर गलती से आपने अपने मेजबान से नमक मांग लिया, तो मुश्किल और बढ़ सकती है। अब आप सोच रहे होंगे कि भला नमक में ऐसा क्या है, जो उसे मांग नहीं सकते। तो चलिए आपको बताते हैं कि मिस्र में ये पुरानी परंपरा है कि यहां खाने में अलग से नमक डालना बुरा माना जाता है। अगर आप किसी के घर दावत पर गए हैं और आपके लिए वहां पकवान परोसे गए हों, तो उसे वैसा का वैसा ही खा लें तो अच्छा है। जो भी इसमें स्वाद बढ़ाने के लिए नमक अलग से डालना चाहता है, उसे लेकर मेजबान नाराज़ हो जाते हैं क्योंकि ये उन्हें अपना अपमान लगता है। उन्हें लगता है कि मेहमान को खाना पसंद नहीं आया है, इसलिए वो इसमें नमक डालकर स्वाद ठीक करना चाहता है।

बता दें कि नमक को लेकर मिस्र की ये परंपरा मेजबान के अपमान से जुड़ी है, ऐसे में लोग नमक से दूर रहना ही ठीक समझते हैं। हालांकि भारत समेत दुनिया के अन्य देशों में नमक अलग से पूछा जाता है, लेकिन मिस्र में ऐसा नहीं करना चाहिए। नमक को छोड़ दें मिस्र में भी भारत की ही तरह बड़े-बुजुर्गों का अभिवादन-सम्मान करने, दूसरे के घर उपहार लेकर जाने और दूसरों को खुद से पहले रखने की परंपराएं हैं। लेकिन खाने खाते वक्त नमक मांगने की गलती आपके रिश्तों में कड़वापन पैदा कर सकती है।

इस स्कूल का 32वां विद्यार्थी है एक पक्षी, दूर-दूर से देखने आते हैं लोग

कहा जाता है दुनिया अजीबो-गरीब है। यहाँ पर कई ऐसे किस्से कहानियाँ सुनाई दे जाती हैं जिन पर विश्वास करना मुश्किल होता है। आए दिन कुछ न कुछ अजीबो-गरीब सुनाई या दिखाई देता है। हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे देखने के बाद लोगों को यह विश्वास होने लगा है कि इंसान मरने के बाद किसी न किसी रूप में फिर से जन्म लेता है। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि छत्तीसगढ़ के एक स्कूल में एक चिड़िया पिछले 9 साल लगातार पढ़ाई करने आती है। वह अन्य बच्चों के साथ मेज पर बैठती है और जब तक स्कूल चलता है वह वहां पर उपस्थित रहती है। रविवार या अन्य किसी छुट्टी के दिन वह स्कूल नहीं आती है। वहाँ के कार्यकर्ता उसे 'रामी' के नाम से बुलाते हैं। इस स्कूल में कुल 31 विद्यार्थी हैं और स्कूल की 32वीं विद्यार्थी यह चिड़िया 'रामी' है। यह स्कूल छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में स्थित है, जिसे मारीगुड़ा प्राथमिक शाला के नाम से जाना जाता है। टीचर अब उसे स्कूल का ही एक स्टूडेंट मानते हैं और प्यार से 'रामी' बुलाते हैं। स्कूल के प्रधानाध्यापक नीलकंठ साहू और सहायक अध्यापक श्रवण मानिकपुरी कहते हैं कि पिछले 9 सालों से हम यहाँ पदस्थ हैं। इतने सालों में कभी ऐसा नहीं हुआ कि यह चिड़िया स्कूल नहीं आई। हमारे आने से पहले चिड़िया स्कूल में होती है। जब छुट्टी का दिन होता है तो चिड़िया स्कूल नहीं आती है। अब वो स्कूल का हिस्सा है। बच्चे भी उसके साथ काफी खुश रहते हैं। लोग भी इस मैना को दूर-दूर से देखने के लिए अब आने लगे हैं। आमजन 'रामी' को बोलते हैं 'मैना' दरअसल, इस चिड़िया को आमजन मैना के नाम से जानते हैं। मारीगुड़ा प्राथमिक शाला में रामी सभी बच्चों और अध्यापकों के आने से पहले ही पहुंच जाती है। स्कूल पहुँचने के बाद वह सबसे पहले हैंडपंप के पास जमीन में पड़े पानी में नहाती है। फिर स्कूल परिसर में लगे तिरंगे के नीचे बैठती है और बच्चों के साथ प्रार्थना में शामिल होती है। वह बच्चों के साथ ही क्लास में जाती है। जब टीचर पढ़ाने आते हैं तो टेबल पर बैठ जाती है। छुट्टी होने पर जब बच्चे चले जाते हैं तो चिड़िया भी जंगल में उड़ जाती है। स्कूल में पढ़ाई के दौरान होने वाले इंटरवल में अब चिड़िया 'रामी' को भी मध्याह्न भोजन यानी मिड डे मील दिया जाने लगा है। वह भी बच्चों के साथ भोजन करती है। शिक्षक कहते हैं कि हम उसे भी अब स्कूल की छात्रा मानने लगे हैं। इन 9 सालों में ऐसा कभी नहीं हुआ, जब रामी एक भी दिन स्कूल न आई हो। स्कूल में 31 बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन अब हम रामी को 32वीं स्टूडेंट मानते हैं।

भाजपा की कुनीतियों ने प्रदेश को कर दिया बर्बाद: अखिलेश यादव

» नफरत की राजनीति कर रही भाजपा
» बेची जा रही सरकारी संपत्तियां, आसमान पर पहुंची महंगाई
» किसानों पर हो रहा अत्याचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा प्रोपगंडा की मास्टर है। एक झूठ ऊपर से बोला जाता है और वही नीचे तक चलता है। उसकी भेदभाव और नफरत की राजनीति से सभीनाराज हैं। हर स्तर पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। भाजपा सरकार में किसानों के धान की लूट हो रही है। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी है। सरकारी संपत्तियां बेची जा रही है। महंगाई बढ़ी है। भाजपा के खिलाफ जनता में भारी आक्रोश है। समाजवादी साइकिल ही अब उत्तर प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाएगी।

विधायक ने खत्म की भूख हड़ताल

सपा प्रमुख अखिलेश यादव की अपील पर अमेठी के गौरीगंज विधान सभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी के विधायक राकेश प्रताप सिंह ने नेता विरोधी दल विधान सभा रामगोविन्द चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह तथा एमएलसी सुनील सिंह साजन के हाथों से जूस पीकर अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी। राकेश प्रताप सिंह को लखनऊ में हजरतगंज स्थित जीपीओ पार्क स्थित गांधी प्रतिमा स्थल से जबरन उठाकर पुलिस ने सिविल अस्पताल में भर्ती करा दिया था। वहां भी वे आमरण अनशन पर थे। उनकी दशा निरन्तर बिगड़ रही थी। राकेश प्रताप सिंह ने अपने जनपद की दो मुख्य सड़कों के न बनाए जाने के विरोध में लखनऊ में धरना -प्रदर्शन शुरू किया था। भाजपा सरकार में सुनवाई न होने पर वे आमरण अनशन पर बैठ गए थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के गलत फैसलों से अर्थव्यवस्था की हालत खराब हो गई है। नोटबंदी के दौरान लोगों को अपने पैसों के लिए लाठियां खानी पड़ी। अपमानित होना पड़ा। लोगों की जानें चली गई। नोटबंदी करते समय भाजपा सरकार ने भरोसा दिलाया था कि काला धन आएगा, भ्रष्टाचार खत्म होगा। भाजपा सरकार बताए कि काला धन लेकर कौन चला गया? भाजपा सरकार ने सभी संस्थाओं को नष्ट कर दिया है। भाजपा ने यूपी को बर्बाद कर दिया। आज किसान व्यापारी, नौजवान, छात्र आत्महत्या करने पर विवश है। भाजपा सरकार ने नोटबंदी बड़े लोगों और उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने, जनता को परेशान करने और अपनी तानाशाही जताने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि इस सरकार के रहते किसानों को न्याय नहीं मिलेगा। हर वर्ग भाजपा से परेशान है। उत्तर प्रदेश सरकार पर आज किसी को भरोसा नहीं है। मुख्यमंत्री को अपना काम बताना चाहिए। यह सरकार अभी तक समाजवादी सरकार के कार्यों का ही उद्घाटन कर रही है। मेट्रो सपा सरकार में ही चली। 2022 में बदलाव होना तय है। समाजवादी पार्टी पर जनता का भरोसा है। अगली सरकार समाजवादी पार्टी की ही बनना तय है।

स्कूटी सवार युवती को मारी टक्कर कार चालक की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विभूतिखंड थानाक्षेत्र के वेब मॉल के सामने मंगलवार देर रात बेकाबू कार ने स्कूटी सवार युवती को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई लेकिन कार चालक की मौत हो गई। हालांकि कार चालक के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं दिखे। घायल युवती को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया है।

प्रभारी निरीक्षक विभूतिखंड चंद्रशेखर सिंह के मुताबिक, इलाहाबाद निवासी 47 वर्षीय कार सवार मेहंदी हसन लोहिया पार्क चौराहे से पॉलीटेक्निक की ओर जा रहा था। वेब मॉल के पास कार के आगे जा रही स्कूटी सवार युवती ने अचानक ब्रेक लगा दिया। इससे मेहंदी हसन की कार से स्कूटी में पीछे से टक्कर लग गई। युवती सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। मेहंदी हसन की मौके पर ही मौत हो गई। एसआई ऋषिकेश राय के मुताबिक, मृतक के शरीर पर चोट के निशान नहीं दिखाई दे रहे थे। आशंका है कि हादसे के बाद दहशत में आने से मेंहदी हसन की मौत दिल का दौरा पड़ने से हो गई हो। फिलहाल अभी कुछ नहीं कहा जा सकता।

राजस्थान का सियासी पारा चढ़ा सीएम गहलोत पहुंचे दिल्ली

» मंत्रिमंडल विस्तार की सुगबुगाहट तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। सीएम अशोक गहलोत के दिल्ली दौरे से राजस्थान में एक बार सियासी पारा चढ़ गया है। मंत्रिमंडल विस्तार की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री गहलोत जोधपुर के एक दिन के दौरे के बाद दिल्ली पहुंचे। गहलोत आज कांग्रेस के बड़े नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। गहलोत की राहुल गांधी से मुलाकात किये जाने की भी चर्चा है।

माना जा रहा है कि विधान सभा उपचुनाव और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव में जीत के बाद दो धड़ों में बंटी कांग्रेस पार्टी के अंदरुनी समीकरण बदल गये

हैं। गहलोत खेमा पायलट कैम्प की बजाय ज्यादा मजबूत हुआ है। गहलोत मंत्रिमंडल में अभी नौ मंत्री पद खाली हैं। फिलहाल सीएम गहलोत समेत मंत्रिमंडल में 21 सदस्य हैं। नियमानुसार कुल सदस्यों में से 15 फीसदी सदस्य को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। गत वर्ष हुये सियासी घटनाक्रम के बाद अभी 9 मंत्री पद खाली हैं।

तो भाजपा की मजबूरी बन चुके हैं योगी!

» केंद्रीय नेतृत्व अभी चुनाव पर कर रहा फोकस इसलिए योगी का बढ़ाया कद
» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने उठाए कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना कद बढ़ा लिया है। वे हिंदुत्व का ब्रांड बन गए हैं। उन्हें दिल्ली में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में बुलाया गया। यहां योगी आदित्यनाथ ने राजनीतिक प्रस्ताव पेश किया। इससे उनका कद और बढ़ा है। सवाल यह है कि योगी के कद बढ़ाने के मायने क्या हैं? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग, हरजिंदर, हेमंत तिवारी, रंजीव, ममता त्रिपाठी, अजय शुक्ला, लेखक रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

हेमंत तिवारी ने कहा, योगी ने अलग तरह की राजनीति की है। पीएम मोदी को खुद इनकी प्रशंसा करनी पड़ी। बड़े-बड़े धुरंधर नेताओं का क्या हश्र हुआ, यह हम देख चुके हैं। केशव प्रसाद मौर्य को आश्चर्यजनक तरीके से 2014 में प्रदेश अध्यक्ष बनाया

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

गया। हालांकि योगी भाजपा में इतने ऊपर पहुंच चुके हैं कि उन्हें किनारे नहीं लगाया जा सकेगा।

रंजीव ने कहा, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व अपनी झेंप मिटा रहा है। दिल्ली दरबार और योगी के बीच चले शक्ति प्रदर्शन में योगी विजयी बनकर निकले हैं। इसके अलावा केंद्रीय नेतृत्व चुनाव की सारी जिम्मेदारी योगी को सौंपना चाहता है। ममता त्रिपाठी ने कहा, एक ओर दिल्ली दरबार और यूपी सरकार के बीच तनातनी चल रही है वहीं योगी से राजनीतिक प्रस्ताव पेश कराया गया। योगी को पूरी तरह से सामने रखने की कोशिश की जा रही थी। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि योगी ही सीएम चेहरा होंगे।

हरजिंदर ने कहा, स्थानीय स्तर पर ही चुनाव परिणाम आएंगे। यूपी चुनाव में साफ है कि यदि स्थानीय समीकरण की वापसी होगी तो भाजपा को परेशानी होगी। हिंदुत्व को आगे बढ़ाना है इसलिए योगी को आगे किया गया है। अजय शुक्ला ने कहा, पशु खेत के खेत बर्बाद कर रहे हैं। मंदिरों की पौराणिकता नष्ट की जा रही है। भाजपा सांप्रदायिकता पर ही चुनाव लड़ेगी। इनके पास बताने के लिए कुछ नहीं है। रविकांत ने कहा, पूर्वांचल में ठाकुर बनाम ब्राह्मण चल रहा है। सबसे अधिक पिछड़े अपमानित हुए हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। श्रवण गर्ग ने कहा, योगी के राजनीति प्रस्ताव पढ़ने को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए। योगी के शासनकाल से भाजपा यूपी में खतरे में है। बावजूद इसके योगी भाजपा की मजबूरी हैं। शीर्ष नेतृत्व अभी चुनाव पर फोकस कर रही है।

छठ महापर्व की तैयारियां पूरी, घाटों पर पहुंचे व्रती,

» कल उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का होगा समापन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सूर्योपासना के महापर्व छठ का आगाज हो चुका है। मंगलवार को व्रती महिलाओं ने वेदी पूजन के साथ 36 घंटे के निर्जला व्रत का शुभारंभ किया। इसके पूर्व आम की लकड़ी जलाकर नए ईंट अथवा मिट्टी के चूल्हे पर प्रसाद बनाया। व्रती आज शाम अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देंगी। वहीं गुरुवार की सुबह उगते सूर्य को दूध से अर्घ्य के साथ महापर्व का समापन होगा। लखनऊ के लक्ष्मण मेला मैदान के गोमती तट के घाटों पर व्रती पहुंच चुके हैं।

गरीब आवंटियों को राहत, अब 500 रुपये में होगी मकानों की रजिस्ट्री

» प्रदेश सरकार ने किया फैसला, अधिसूचना जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने निजी विकासकर्ताओं के दुर्बल आय वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए निर्मित भवनों के गरीब आवंटियों को राहत देते हुए उनके भवनों की रजिस्ट्री मात्र 500 रुपये में करने का फैसला किया है। अब ऐसे आवंटियों को भवन की रजिस्ट्री के लिए 40-50 हजार रुपये नहीं खर्च करने पड़ेंगे। स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की प्रमुख सचिव वीना कुमारी ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी।

अब तक विकास प्राधिकरण, आवास विकास परिषद आदि द्वारा बनाए जाने वाले ईडब्ल्यूएस भवनों के आवंटियों को ही 500 में रजिस्ट्री कराने की छूट मिल रही थी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) मिशन के तहत विकासकर्ता द्वारा बनाए जाने वाले ईडब्ल्यूएस के भवनों के लाभार्थी के मकान की भी रजिस्ट्री 500 रुपये में हो रही थी। किंतु निजी विकासकर्ताओं द्वारा बनाए जाने वाले अन्य ईडब्लूएस आवासों पर यह छूट नहीं थी। चूंकि निजी विकासकर्ताओं के लिए अपनी आवास योजना में 10 फीसद भवन ईडब्ल्यूएस के लिए बनाने की शर्त है इसलिए विकासकर्ता ऐसे भवन बना तो रहे थे लेकिन उनके पात्र आवंटियों के पक्ष में रजिस्ट्री कराने पर 50 हजार रुपये तक स्टांप ड्यूटी लग जाती थी। ऐसे में क्रेडाई की लगातार यह मांग थी कि अन्य की तरह निजी विकासकर्ताओं के ईडब्ल्यूएस भवनों की रजिस्ट्री पर भी 500 रुपये ही स्टाम्प ड्यूटी लगे।

यूपी चुनाव से पहले दो और जिलों में लागू होगा पुलिस कमिश्नर सिस्टम!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पुलिस कमिश्नर प्रणाली के सार्थक परिणामों को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार दो और महानगरों में इसके विस्तार पर विचार कर रहा है। विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश के दो और बड़े शहरों में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू किए जाने की घोषणा की जा सकती है। हालांकि इससे पूर्व राजधानी लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, कानपुर व वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट से अब तक की गईं व्यवस्थाओं और उनसे आए बदलावों को लेकर फीडबैक लिए जा रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि अगले चरण में आगरा, मेरठ, प्रयागराज और गाजियाबाद के नामों पर मंथन किया जा रहा है, जिनमें दो शहरों में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू की जा सकती है। योगी सरकार ने 13 जनवरी, 2020 को लखनऊ व गौतमबुद्धनगर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू की थी। सालों इंतजार के बाद पहली बार प्रदेश में यह

व्यवस्था लागू की गई थी। तब पांच शहरों में इस व्यवस्था को लागू किए जाने का विचार चल रहा था, लेकिन केवल दो शहरों में ही यह प्रणाली लागू किए जाने का निर्णय हुआ था। लखनऊ और गौतमबुद्धनगर में इस प्रणाली के बेहतर परिणाम सामने आने के बाद शासन ने पंचायत चुनाव से पूर्व 25 मार्च, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी और सूबे की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले कानपुर नगर में भी पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू किए जाने का निर्णय किया था।

सीएम योगी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस अहम प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी, जिसके बाद अब चार शहरों में यह प्रणाली लागू है। इस प्रणाली के तहत कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, महिला अपराध व यातायात प्रबंधन की समीक्षा के साथ ही नई व्यवस्था के मूल्यांकन की भी व्यवस्था की गई थी। लखनऊ और गौतमबुद्धनगर में इस प्रणाली को लागू किए जाने के छह माह समीक्षा भी की गई थी। लूट, हत्या, डकैती व अन्य तरह के अपराधों में गिरावट के आंकड़े उत्साहित करने वाले थे। एक वर्ष पूरे होने के बाद भी दोनों ही शहरों में पूर्व के वर्षों की तुलना में प्रमुख अपराधों में गिरावट दर्ज की गई थी।

शासन स्तर पर जल्द बैठक

सूत्रों का कहना है कि अब दो अन्य शहरों में इस प्रणाली के विस्तार की तैयारी है। इसे लेकर जल्द शासन स्तर पर एक बैठक भी प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि इस बैठक के बाद शासन निर्णय ले सकता है। उल्लेखनीय है कि पुलिस कमिश्नर प्रणाली के तहत पुलिस को 14 प्रशासनिक शक्तियां भी प्रदान की गई हैं। इस व्यवस्था के तहत पुलिस को धारा 144 लागू करने का भी अधिकार प्राप्त है। कानून-व्यवस्था के दृष्टिगत यह बेहद महत्वपूर्ण है।

चार नामों पर विचार, जिसमें दो पर लगेगी मुहर

15 इंस्पेक्टर का गैर जनपद तबादला, थानेदार भी बदले

लखनऊ में तैनात 15 पुलिस इंस्पेक्टर को चुनाव आयोग के निर्देशानुसार देर रात गैर जनपद तबादला कर दिया गया। इनका लखनऊ में निर्धारित कार्यकाल पूरा हो चुका है। इनमें से पांच इंस्पेक्टर के जाने से खाली हुए लखनऊ के थानों पर नए थाना प्रभारी की नियुक्ति की गई है। पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने देर रात नए थाना प्रभारियों की लिस्ट जारी की। प्रशांत कुमार मिश्र को गोमतीनगर विस्तार थाना प्रभारी। दिनेश सिंह विष्ट को गौतम पल्ली थाना प्रभारी। धर्मेंद्र सिंह यादव को अलीगंज थाना प्रभारी। दिनेश चंद्र मिश्र को महानगर थाना प्रभारी। वीर सिंह को मड़ियांव थाना प्रभारी बनाया गया है।

ओमप्रकाश राजभर बन गए डीलर, माफियाओं की करते हैं दलाली : अनिल राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आजमगढ़। गृहमंत्री अमित शाह के आगमन से पूर्व कार्यक्रम की तैयारियों व राजभर समाज के प्रवुद्ध वर्ग सम्मेलन में पहुंचे पिछड़ा वर्ग दिव्यांग कल्याण विभाग के मंत्री अनिल राजभर ने पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर पर जमकर हमला बोला। उन्होने कहा कि लोडर, लीडर की बात करते-करते ओमप्रकाश राजभर डीलर बन गए।

उन्होने कहा मुख्तार अंसारी जैसे माफिया के दलाल बन गए. सुहेलदेव के सम्मान से समझौता करके सैय्यद सलार के अनुयायियों से गठजोड़ कर लगातार बड़बोलापन कर रहे हैं। आज ओमप्रकाश मीडिया के साथियों का मनोरंजन बनकर रह गए हैं। प्रदेश का राजभर समाज इस बात को बखूबी समझता है। मंत्री ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव से पूर्व ओमप्रकाश ने कहा था कि बीजेपी को दो सीटें ही मिलेगी। वे 18 सालों से राजभर समाज को धोखा देने का काम कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि अमित शाह की कृपा से एक बार हल्दी लग गई। 2022 के बाद ओपी राजभर घर बैठ जाएंगे।

यूपी की जनता को कांग्रेस बताएगी महंगाई की सच्चाई

» एक सप्ताह चलेगा अभियान बांटेगी सकंल्प पत्र का पर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में विधान सभा चुनाव को लेकर कांग्रेस सक्रिय हो गई है। कांग्रेस कमेटी जोनवार गांव-शहर में जाकर बढ़ती महंगाई को लेकर जनता को बताएगी। कैसे केंद्र सरकार की वजह से महंगाई बढ़ रही है। ऑल इंडिया कांग्रेस की तरफ से यूपी समेत सभी राज्यों के लिए साप्ताहिक कार्यक्रम करने के निर्देश दिए गए है। कांग्रेस यूपी में 12 नवंबर से 19 नवम्बर तक प्रत्येक जोन के गांव-शहर में बढ़ती महंगाई को लेकर जनता के बीच जाएगी।

इस कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू ने सोमवार सुबह 10 से लेकर रात 9 बजे तक पदाधिकारियों के साथ बैठक की। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू ने बताया कि यूपी में केंद्र सरकार की वजह से बढ़ रही महंगाई को बताने जनता तक कांग्रेस के कार्यकर्ता जाएंगे। इसके अलावा हमारी नेता प्रियंका गांधी ने जो प्रतिज्ञा संकल्प पत्र बनाया है। उसका पर्चा भी गांव-शहर में बांटा जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरु कर दी गई है। लल्लू ने बताया कि केंद्र सरकार ने भले ही एक्ससाइज ड्यूटी पर पेट्रोल-डीजल पर छूट कम कर दी हो लेकिन अभी तक महंगाई पर कोई रोक नहीं लगाया जा सका है।

भाटी हत्याकांड में बाहुबली नेता डीपी यादव बरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। नैनीताल हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में उत्तर प्रदेश के बाहुबली नेता डीपी यादव को भाटी हत्याकांड मामले में बरी कर दिया है। कोर्ट ने सीबीआई कोर्ट के साल 2015 के फैसले को पलटते हुए डीपी यादव को बरी किया है। सीबीआई कोर्ट ने यादव को दादरी के विधायक रहे महेंद्र भाटी की हत्या के मामले में दोषी मानकर आजीवन कारावास की सजा दी थी।

उत्तर प्रदेश का यह बेहद चर्चित मामला था। जब सांसद रहे डीपी यादव पर उनके राजनीतिक गुरु महेंद्र भाटी की हत्या का आरोप लगा था। 13 सितंबर 1992 को दादरी में रेलवे स्टेशन में विधायक महेंद्र भाटी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में पूर्व सांसद धर्मपाल यादव, परनीत भाटी, करण यादव और पाल सिंह को आरोपी बनाया गया था। 15 फरवरी 2015 को कोर्ट ने डीपी यादव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। तब से वह देहरादून जेल में थे। इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही थी और इस साल कोर्ट से डीपी यादव को स्वास्थ्य संबंधी कारणों से तीन बार शॉर्ट टर्म बेल मिल चुकी थी।

पूर्वांचल एक्सप्रेस पर उतरेंगे लड़ाकू विमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुलतानपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 16 नवंबर को प्रस्तावित आगमन को लेकर सरगर्मी बढ़ती जा रही है। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करेंगे। इसके पहले 12 नवंबर को यहां बनी एयर स्ट्रिप पर फाइटर प्लेन उतरेंगे। इसके लिए कूरेभार थाने में एयर ट्रैफिक सिग्नल कंट्रोलर लगा ट्रक खड़ा कर दिया गया है। कितने बजे, कितने फाइटर प्लेन उतरेंगे, सेना के अधिकारियों ने इसे गोपनीय रखा है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अरवल कीरी ग्रामसभा में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल पर अफसरों की आवाजाही तेज हो गई है। एयरफोर्स के जवान भी यहां पहुंच गए हैं। कूरेभार थाने में एयर ट्रैफिक सिग्नल कंट्रोलर लगा दिया गया। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे यूपी का तीसरा एक्सप्रेसवे होगा, जहां से लड़ाकू विमान लैंडिंग और टेकआफ कर सकेंगे। इससे पहले आगरा एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर विमान उतर चुके हैं। आयुक्त अयोध्या मंडल एमपी अग्रवाल और आईजी डॉ.केपी सिंह ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों के साथ करीब डेढ़ घंटे तक बैठक की। कृषि कानून विरोधी आंदोलन के मद्देनजर किसान संगठनों पर भी सुरक्षा एजेंसियों की नजर बनी हुई है। विरोध प्रदर्शन कर चर्चा में रहने वाले किसान नेताओं को भी चिह्नित किया जा रहा है।

सुलतानपुर में लगा एयर ट्रैफिक सिग्नल कंट्रोलर

बिना अनुमति नहीं मिलेगा प्रवेश

अरवलकीरी करवत स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के बगल अधिग्रहित की गई भूमि पर पंडाल बनाने का काम तेजी से चल रहा है। कमिश्नर और आईजी ने जिलाधिकारी रवीश गुप्ता एवं एसपी डॉ. विपिन कुमार मिश्र से कहा कि कार्यक्रम स्थल परिक्षेत्र में कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति के प्रवेश नहीं करेगा। बिजली, पानी, पंडाल आदि की व्यवस्था में लगे कर्मचारियों को भी बिना कार्ड के प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। साइकिल और प्रेशर कुकर विक्रेताओं को बिना आइडी ग्राहकों को उक्त सामान नहीं बेचने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।